



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

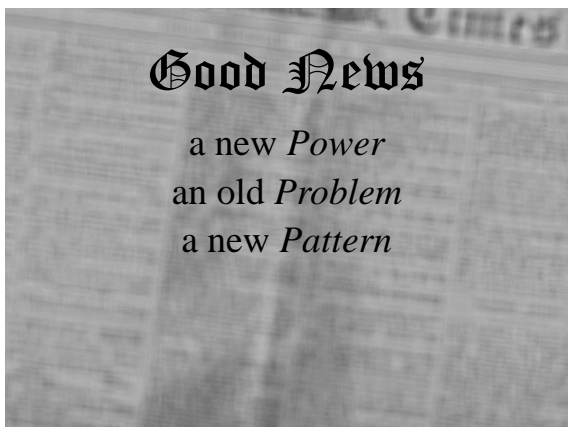
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

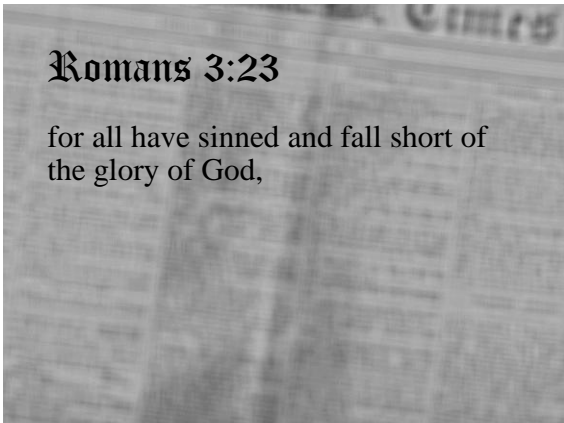
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 1

<sup>19</sup> since what may be known about God is plain to them, because God has made it plain to them. <sup>20</sup> For since the creation of the world God's invisible qualities—his eternal power and divine nature—have been clearly seen, being understood from what has been made, so that people are without excuse.

---

---

---

---

---

---

---

---

### Psalms 19

<sup>1</sup> The heavens declare the glory of God; the skies proclaim the work of his hands.  
<sup>2</sup> Day after day they pour forth speech; night after night they reveal knowledge.  
<sup>3</sup> They have no speech, they use no words; no sound is heard from them.  
<sup>4</sup> Yet their voice goes out into all the earth, their words to the ends of the world.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

**Ⓞ Little Town of Bethlehem**

How silently, how silently  
The wondrous gift is giv'n!  
So God imparts to human hearts  
The blessings of his heav'n.  
No ear may hear his coming,  
But in this world of sin,  
Where meek souls will receive him, still  
The dear Christ enters in.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 1

<sup>21</sup> For although they knew God, they neither glorified him as God nor gave thanks to him, but their thinking became futile and their foolish hearts were darkened. <sup>22</sup> Although they claimed to be wise, they became fools <sup>23</sup> and exchanged the glory of the immortal God for images made to look like a mortal human being and birds and animals and reptiles.

---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 1

<sup>24</sup> Therefore God gave them over in the sinful desires of their hearts to sexual impurity for the degrading of their bodies with one another. <sup>25</sup> They exchanged the truth about God for a lie, and worshiped and served created things rather than the Creator—who is forever praised. Amen.

---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 1

<sup>26</sup> Because of this, God gave them over to shameful lusts...

<sup>28</sup> Furthermore, just as they did not think it worthwhile to retain the knowledge of God, so God gave them over to a depraved mind, so that they do what ought not to be done.

---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 1

<sup>29</sup> They have become filled with every kind of wickedness, evil, greed and depravity. They are full of envy, murder, strife, deceit and malice. They are gossips, <sup>30</sup> slanderers, God-haters, insolent, arrogant and boastful; they invent ways of doing evil; they disobey their parents; <sup>31</sup> they have no understanding, no fidelity, no love, no mercy.

---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 1

<sup>32</sup> Although they know God's righteous decree that those who do such things deserve death, they not only continue to do these very things but also approve of those who practice them.

---

---

---

---

---

---

---

---

## Consequences

*sinful desires* - they dishonored their own bodies and worshipped the created rather than the creator. The belief that this will fill the void or stop the pain or bring the pleasure.

*shameful lust* - that is, their emotional lives. Emotionally attaching ourselves to relationships that are ungodly instead of seeking unity with God.

*depraved mind* - their mental lives, or base mind, their will their choices. Outright rejection.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

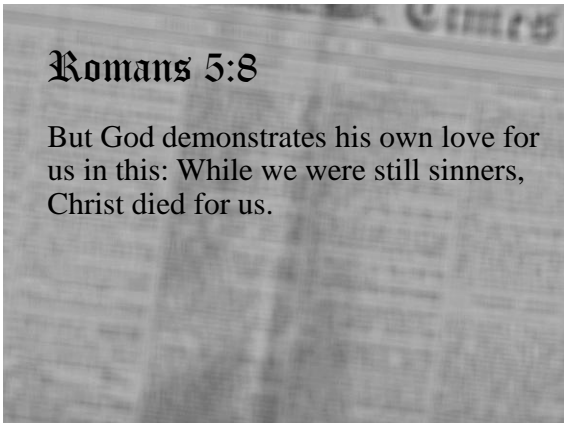
---

---

---

---

---



---

---

---

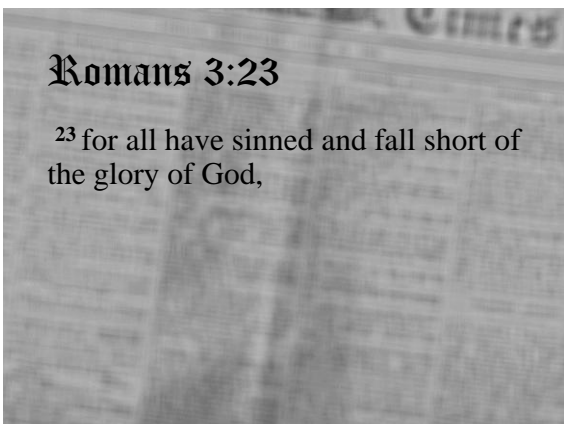
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 3:23-24

<sup>23</sup> for all have sinned and fall short of the glory of God, <sup>24</sup> and all are justified freely by his grace through the redemption that came by Christ Jesus. <sup>25</sup> God presented Christ as a sacrifice of atonement, through the shedding of his blood—to be received by faith.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---